What does the Bible say about going to Church?

कलीसिया को जाने के बारे में बाइबल क्या कहती है?

I. “जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर की बात सुनता है - तुम इसलिए उन्हें नहीं सुनते क्योंकि तुम परमेश्वर के नहीं हो।” – गूद्ह 8 : 47

II. जब लोग ने मूर्त ने कहा, “आओ, हम यहाँ के भवन के चांगे,” तब ने आज़ादित हुआ।” – भगवान सिहिता 122 : 1

III. “बुध ही धन्य है वे जो तेरे भवन में निवास करते हैं। वे निरंजन तेरी सूति-प्रभास करवाते रहते हैं।” – भगवान सिहिता 84 : 4

IV. “जो भवन को तुम जनता है वह इसका मूल्य कुछ नहीं रहता जो भगवान का आदर करता है, वह प्रशस्त फाल है।” – एलेक्सन 13 : 13

I. बाइबल बताती है कि परमेश्वर का वचन को सुनने के लिए और सोनने के लिए चाहता है, जहाँ सही मसीही का एक पहचान है।

“जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर की बात सुनता है - तुम इसलिए उन्हें नहीं सुनते क्योंकि तुम परमेश्वर के नहीं हो।” – गूद्ह 8 : 47

“तब बुधु उस यहूदियों से कहकर उस पर विक्रम किया था, वहने लगा, “बढ़ि तुम मेरे भवन में भेज रहेंगे, तो संधुध मेरे चांगे चढ़ेगे।” – गूद्ह 8 : 31

“ये लोग विपस्ततानुसार छाता से अधिक रजन्य थे, क्योंकि उनमें बड़ी दुसुष्कता से वचन को प्रदेश किया और प्रतिनिधित्व पात्रताओं से से खोल-बीन करते रहे कि वे भांति ऐसी ही भा नहीं।” – प्रेतिस के क्रम 17 : 11

“तेरे पूर्ण को व्यवस्था में लिए सोने और चांगे के हार्दिक शिकार से भी उत्तम है।” – भगवान सिहिता 119 : 72

“इस कारण हम भी सर्वश्रेष्ठ परमेश्वर का ध्यान करते हैं कि जब हमारे द्वारा तुमें परमेश्वर का वचन का सर्देश निश्चित, तो तुमने उसी मंसूभ का नहीं, परंतु परमेश्वर
का वचन समाज का धारण किया - सुभाष यह है भी - जो तुम विश्वासियों में अपना कार्य भी करता है।" - 1 फिल्मगुलीवियों 2 : 13

"परंतु यह योग्य वीर प्रकाश से आलमित होता है और उसकी व्यवस्था पर रात-दिन मन करता रहता है।" - भगवान सीविता 1 : 2

II. बाईबल कहती है उस चाहत का पूरा कल्पनिकाय की आराधना के समय में हो किया जा सकता है।

जब लोगों ने मुझ से कहा, "आज्ञा, हम यहाँ के भवन को चले," तब में आनंदित हुआ।" - भगवान सीविता 122 : 1

"और लगातार मन्दिर में जाकर परमेश्वर की सहित करते रहे।" - शूकरा 24 : 53

"और वे प्रेतों से लगातार विश्वास पाते, उन्मित रखने, रोटी तोड़ने, और पाठ्य करने में कामलीग रहे।" - प्रेतों के काम 2 : 42

"वे एक ग्राम होकर दिन-प्रतिदिन मंदिर में आते और पर घर रोटी पीता हुए। आनंद और मन को समझाई से एक साथ भोजन किया करते थे।" - प्रेतों के काम 2 : 46

"और एक दूसरे के साथ हृदय होना न छोड़ो, जैसा कि कितना की तैत्तिक है, बले एक दूसरे को प्रतिस्थापित करते रहे, औरस्त्रिस्त्र दिन को निकट आते पेहेल लें और भी अधिक इस चालाये को किया करो।" - इतिहास 11 : 25

"हे यहाँ, मैं तेरे निर्देशण से - उस स्तान से जहाँ तेरी हिंदुस्तान बास करती है - प्रेति रहता है।" - भगवान सीविता 26 : 8

"मरीज के चेहरे को अपने हाथों में बुझाते से बसते हो, समय शायद सहित एक दूसरे की शिक्षा और चेतावनी दे, अपने हाथों में धन्यवाद के साथ परमेश्वर के लिए भजन और सहितगान और आर्थिक गीत गाएं।" - कल्पनिकाय 3 : 16

"पर यह उसके बीच में से निकल कर बचता है। अब वह गर्दन के एक नए कपन-नागर में आया और धर्म के विनों में लोगों को उपदेश देता था।" - लुकाया 4 : 30-31

"तथा यह लाभस्त अलग वहाँ उसका पालन-पालन हुआ था और अपनी रीतों के अनुसार सज्जा के रित अराधनालय में जाकर पड़े लिए खड़ा हुआ।" - लुकाया 4 : 16

"में से मूकार सामान प्रतिशोध मंदिर में उपदेश दिया करता था और तुम्हें नृत्य नहीं पकड़ा, परन्तु, यह इस्लामिक हुआ कि परमेश्वर का लेख पूरा हो।" - मार्कस 14 : 49

"सम्पर्क करते हुए उसके सम्बंध आए, और भजन गाते हुए उसका यज्ञकार करे।" - भगवान सीविता 95 : 2

"समेत यहाँ से एक बार गंगा है, मैं उसी के बाये में लहर रहूँ : कि मैं अपने जीवन भर यहाँ के भवन में ही निवास करने पड़े, जिस से वहाँ को मनोरंजन निर्दर्शता रहूँ और इसके गीत में उदास धार्मिक करता रहूँ।" - भगवान सीविता 27 : 4

"यह प्राण यहाँ के अंगों के भावनाओं को अभिव्यक्ति करने में मदद हो चुका: मंग सदृश और भगवान सहीर जीयोंके परमेश्वर के लिए आनंद से गए हैं।" - भगवान सीविता 84 : 2

III. बाइबल उन समय आशियों को विनोती के से जो परमेश्वर का वचन का सृजन से और सीखने के लिए मिली है।

"क्या ही भय है जो जीते भवन में निवास करते हैं। वे सिर्फ तेरी सहित-सहित करते रहते हैं।" - भगवान सीविता 84 : 4

नया जन्म को अनुभव करते हैं: "क्योंकि लुकाये नरताम में इससे अवर्तु अधिकारी यीशू से, अपना परमेश्वर के जीवन तथा अनुभव करता है, तो नया जन्म प्राप्त होता है।" - हेलरेस 1 : 23
अन्य भौतिक आकर्षण: "परस्तु तुम घरों परमेश्वर के अंगद और उसकी धार्मिकता को खोज में रह रहा तो मे सब वस्तुओं तुम्हें दे बी जाओगी।" - मात्र 6 : 33

मुख्य विषय: "और बचपन ही में पवित्रता तैयार नही हुआ है जो मसीह पीछे में विभाग के तरी तुड़े उदय माने के लिए तुड़े दे सकता है। सदियाँ पवित्रता परमेश्वर को प्रेम से स्वीकार कर सकता है और शिशु, तब तक सुधार और धार्मिकता को शिक्षा के लिए उपयोग है, जिसमें कि परमेश्वर का भव प्रभाव माने के लिए पुरुष और तपश्व हो जाए।" - (सांस्रेख) 2 शीभुध्वस 3 : 15-17

IV. आम्रस्त उन सबको घरानी देती है, जो परमेश्वर का वचन का सुनते नही है और मानती नही है।

"जो परमेश्वर का है वह परमेश्वर को बातें सुनता है - तुम इसलिए उन्हें नही सुनती क्योंकि तुम परमेश्वर के नही हो।" - युहू 8 : 47

"क्योंकि बहुमार परमेश्वर है, और हम उसकी चर्चा को प्राण, और उसके हाथ को भंग है। यदि तभी हम उसकी आवश्यकता, तो अपने हाथ को ऐसा करने का जैसा विलया में द भगवान के दिन राजा में बिस्तर, जब तुम्हारे पूर्ववर्ती ने मुझे परा। यद्यपि उसे मेरे काम के देखा, फिर भी उसे मेरे पुरा नही। पापी सब तक मेरे पीड़ित के प्रकट उपसिंह रहा, और मेरे काम, "यद लोग भक्ति माने मेरे मन के हैं, और मे मेरे माने का नही पहलाते। का वणन स्वतन्त्र होकर सब खान के के के, बी इन बिष्म में वथन न कर देते।" - पाठन जहतह 95 : 7-11।

प्रभु यहोशा की वह बात की है "देखो, ऐसे हिन्दू हानिकारक है जबकि इस हाथ में अनुभव नहीं। यह लोको बी माने का नहीं पहले वचन सुनते का है।" - आमेस 8 : 11

"त्यो जो तुम्हारे सुनता है, मेरी सुनता है। और जो तुम्हें आशीर्वाद करता है, वह उसे ऊपर आवार्त करता है जिससे मुझे भेजा है।" - लूका 10 : 16
"तो उचन को तुच्छ बनाता है यह इसका मूल चुक्ता है, परतु जो आज का आदर करता है, उस प्रकार उसे पत्ता है।" - नैसारिक 13 : 13

"अस्तित्व के कारण मेरे प्रकार नहीं जाती है। इसलिए कि कुछ थान की आस्थाकर किर्त्वा है, मैं भी तुम्हें अपने काम नहीं करता हूँ। इसलिए कि तुम अपने परफेक्ट की त्र्यम्काः को भूल माहा है, मैं भी तुम्हारी सत्यता को भूल जाता।" - श्रीम 4 : 6

"बल ताप्य होने पर उसे अपने बाध को आपस्तित लोगों से यह पहले केज़ा - "आओ, सब कुछ भेज रहा है।" परतु धे रूप के सब क्षमा मांगते लगे। परिवार ने उस से कहा "मेरे एक खोज गोल किया है, अगर आप उसी पेशे आत्मस्वाभाविक है। क़ृपा कर के मुझे क्षमा कर दो।" दूसरे ने कहा, "मेरे पाँच एक्स्टोलो यह गोल है, मैं उसे प्रस्तुत नहीं करता हूँ। क़ृपा कर के मुझे क्षमा कर दो।" फिर एक और ने कहा, "मेरे प्राय निर्भर किया है, अतः मैं नहीं जा सकता।" दास ने आपके आपने स्वामी को से बाहर बाहर। तब गृह-स्वामी ने क़ृपा होरे कहा से बाहर, "सहर के गाय-कुचारों में जहाँ गीतां गिटां लोगों, गुंडों, अंधों और लंगडों को सह लें जब।" दास ने फिर कहा, "स्वामी, तुम्हें आज्ञा के संदर्भ किसी गया पर अभी शान बढ़ा भी है। तब स्वामी ने कहा, "प्रामाण्यों और बाहर को नए जानकार लोगों को अपने के लिए किसी कर कि मेरा पर भर जाता। क्योंकि मेरे तुम्हारे दर्शन है कि जो आपस्तित निम गए भाई, उसपर से कोई भी मेरे भोज को नहीं लेता।" - लक्ष्मी 14 : 17-24

"हे सुभूष्टानेम, हे वन्दनामें। तुम निकटों को मार दीलंश है और जो तेरे पास भंग हैया जा सकते हैं, उनसे प्रवाह करना है। मैंने तुम्हारे कार पंजाबक हमें अपने पंजाब के नीचे इतना करते हैं, जाने ही में भी तुम्हारे पंजाब को इतना करने, परतु तुम्हें न चाहा। देखो, तुम्हारा यह तुम्हारे लिए उजाड़ छोड़ा जाता है।" - भरत 23 : 37-38